

Participants : Singh Kunwar Rewati Raman

>

Title: Regarding unsatisfactory performance of India in 15th Asian Games in Doha.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अभी दोहा में 15वें एशियाड खेल सम्पन्न हुए हैं। इन खेलों में हमारे देश का जो प्रदर्शन रहा है, वह बहुत निराशाजनक था। यह अत्यन्त चिन्ता का विषय है। यह गम्भीर विषय है कि 100 करोड़ से अधिक आबादी वाला देश भारत इस प्रकार से पिछड़ रहा है। यदि आप पदकों की तालिका को देखें, तो भारत 8वें अथवा 9वें स्थान पर है। चीन से हमारी कहीं तुलना नहीं हो पा रही है। अगर छोटे-छोटे देशों जैसे जापान, कोरिया, कतर और ईरान से भी तुलना करें, तो हम पाएंगे कि 57 साल की आजादी के बाद भी हम इन छोटे-छोटे देशों की तुलना में भारत के लिए पदक जीतने में असमर्थ रहे हैं।

मान्यवर उपाध्यक्ष महोदय, हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है। देश की 57 साल की आजादी में ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब हमारा देश हॉकी के सेमी-फाइनल में भी प्रवेश नहीं कर सका। क्रिकेट के खेल के बारे में लोक सभा में चर्चा होती है, लेकिन देश के अन्य खेलों के बारे में कोई चर्चा नहीं होती और यही कारण है कि उनमें हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। यदि शूटिंग की प्रतियोगिता और महिला एथलीट का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा होता, तो भारत को जो पदक मिले, वे भी नहीं मिलते। भारत में वर्ष 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स होने वाले हैं। ... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: हॉकी का खेल तो पंजाब में ही ज्यादा खेला जाता है। भारत एशियाड में सेमी-फाइनल में नहीं पहुंच सका, इसका तो हमें भी दुख है।

श्री रेवती रमन सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, वर्ष 2010 में हमारे यहां कॉमनवेल्थ गेम्स होने वाले हैं। अगर खेलों में हमारा इसी प्रकार का प्रदर्शन होता रहा, तो हमारा देश कोई सम्मानजनक स्थिति में नहीं रहेगा। इसी के साथ मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि हमारे देश की खेलों की गिरती हुई स्थिति की ओर तत्काल ध्यान दे और इस पर कार्रवाई करें।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: उपाध्यक्ष महोदय, एशियाड गेम्स में हमारे देश के एक पुरुष को महिला बनाकर दौड़ा दिया। इससे भारत की बदनामी हुई है। ओलम्पिक एसोसिएशन को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: चूंकि हमें 2.00 बजे दूसरा सब्जेक्ट डिस्कशन के लिए लेना है। इसलिए मेरा निवेदन है कि हर माननीय सदस्य एक-एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें क्योंकि मैं ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को बोलने का मौका देना चाहता हूँ। [r23] [r24]